RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 1 अंक 11 | मूल्य - रू.1/- | नवम्बर 2016 | पृष्ठ - 8

TIME4CHANGE-CHANGE4TIME

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Big... bold... fast steps to gear up to be with times...

समाचार एवं झलकियाँ

बीजेएस राष्ट्रीय अधिवेशन -2016
चेन्नई

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

"**समय है बदलाव का – समय के साथ बदलें**" की थीम पर आयोजित भारतीय जैन संघटना का बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय अधिवेशन 5 व 6 नवंबर, 2016 को चेन्नई में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ. देशभर से संघटना के लगभग 3000 पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जैन प्रतिनिधियों ने इस अधिवेशन में हिस्सा लिया. अधिवेशन को सफल बनाने हेतु सहयोग एवं सहकार करने वाले सभी कार्यकर्ताओं का तथा विशेष रूप से तमिलनाडू टीम का हृदय से अभिनन्दन एवं आभार व्यक्त करता हूँ.

भारतीय जैन संघटना का राष्ट्रीय अधिवेशन देश भर से आए प्रतिनिधियों का मात्र मिलन स्थल ही नहीं अपितु संस्था के कार्यों द्वारा जैन समाज के उत्थान हेतु आगामी दो वर्षों के लक्ष्यों का निर्धारण व राष्ट्र निर्माण हेतु आगामी तीन वर्षों के लक्ष्य के निर्धारण की स्वीकृति ही अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य था.

अधिवेशन का उद्घाटन करते हुए भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर ने विचार व्यक्त किये कि शिक्षा राजनीतिक विषय नही अपितु राष्ट्रीय विषय है. शिक्षा क्षेत्र में Innovative तरीके से काम करने वाली देश की स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ श्री जावडेकर ने भारतीय जैन संघटना व उसकी सहयोगी संस्था फेडरेशन ऑफ जैन एज्यूकेशनल इंस्टिटयूटस् तथा शांतीलाल मुथ्था फाउन्डेशन को शिक्षा के क्षेत्र में सहभागिता हेतु आमंत्रित किया.

जैन समाज द्वारा गत अनेक दशकों से 2500 से अधिक शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से समस्त देश में शिक्षा सेवा के रूप में प्रदान की जा रही है. वर्ष 2003 में भारतीय जैन संघटना ने इन जैन शिक्षण शिक्षा संस्थाओं में गुणवत्ता के विकास के उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ जैन एज्यूकेशनल इंस्टिटयूटस् की स्थापना की है. इस अधिवेशन में फेडरेशन ऑफ जैन एज्यूकेशनल इंस्टिटयूटस् के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर व्यवसाय जगत की जानी-मानी हस्ती, अर्थशास्त्री, विनम्र, धार्मिक, अति-दूरदृष्टा श्री वल्लभ भंसाली, मुंबई को मनोनीत किया गया. मुझे विश्वास है जैन समाज की इन शिक्षण संस्थाओं का यह फेडरेशन श्री वल्लभ भंसाली के नेतृत्व एवं श्री शांतीलाल मुथ्था के निर्देशन में नए आयाम स्थापित करेगा.

भारतीय जैन संघटना के संस्थापक श्री शांतीलाल मुथ्था ने अधिवेशन में उपस्थित जनसमूह को सूचित किया कि आगामी तीन वर्षों में, प्रख्यात अभिनेता श्री आमीर खान के 'पानी फाउन्डेशन' के सहयोग से महाराष्ट्र के 3000 गाँवों को अकाल मुक्त करने का अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है. साथ ही उन्होंने विवाह तय करने के पारम्परिक तरीकों में क्रान्तिकारी बदलाव की योजना "पहल" को सभा में विस्तार से प्रस्तुत किया, जिसे देशभर से आये हुए जैन प्रतिनिधियों ने सहर्ष स्वीकार किया. श्री मुथ्था ने आशा व्यक्त की कि "पहल" को संघटना के पदाधिकारी समाज में घर-घर व जन-जन तक पहुंचाएंगे.

देश-विदेश से आये हुए वक्ताओं ने अधिवेशन की थीम के अनुरूप अपने अनुभव को प्रस्तुत कर जनसमूह का मनमोह लिया तथा जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रमुख पदाधिकारियों ने भारतीय जैन संघटना की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि संघटना के कार्य राष्ट्र के नव निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे.

इस अवसर पर संस्था की नव राष्ट्रीय कार्यकारिणी व विभिन्न राज्यों के अध्यक्षों की घोषणा के साथ पदाधिकारियों एवं सदस्यों की शपथ विधि भी सम्पन्न हुई. नए उत्साह के साथ नए लक्ष्यों को सिद्ध करने का संकल्प नई टीम ने लिया. आशा है कि आगामी दो वर्षों में भारतीय जैन संघटना नई ऊंचाईयों को स्पर्श कर Jains for India की अवधारणा को नए आयाम देने का प्रयास करेगा.

एक बार पुनः राष्ट्रीय अधिवेशन की अपार सफलता हेतु प्रत्यक्ष या परोक्ष सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई **सुरेश कोठारी**, अहमदाबाद **सुदर्शन जैन**, बड़नेरा, **वीरेंद्र जैन**, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, **संजय सिंघी**, रायपुर, **राजेंद्र लुंकड़**, इरोड़

उद्घाटन सत्र

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अधिवेशन का भव्य शुभारंभ श्री प्रकाश जावडेकर के करकमलों द्वारा

"देश में शिक्षा का प्रसार तेजी से हुआ है किन्तु आज भी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एक बड़ी चुनौती के समान है. स्वतन्त्रता से पूर्व शिक्षा के विकास हेतु राष्ट्रीय आंदोलन प्रारम्भ किया गया था. स्वतंत्रता के पश्चात् इसे घर - घर तक पहुंचाया गया. आज देश में KG से PG तक की सर्वोच्च शिक्षा सुलभ है. इस विकास में अनेक महान विभूतियों एवं शिक्षाशास्त्रियों की रचनात्मक भूमिका रही है. किन्तु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर मेहनत करने की आवश्यकता है. सरकार के अतिरिक्त गैर सरकारी संगठनों की भूमिका इस मुहिम में महत्वपूर्ण है, अत: देश भर के शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों से उनके विचार व सुझाव आमंत्रित किए जाएँगे."

यह उद्‌गार श्री प्रकाश जावडेकर, मानव संसाधन मंत्री, भारत सरकार ने भारतीय जैन संघटना के चेन्नई में सम्पन्न राष्ट्रीय अधिवेशन २०१६ के उद्‌ घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किये.

श्री जावडेकर ने कहा कि "हमारा लक्ष्य हर स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता विकसित करना है. सबको शिक्षा अच्छी शिक्षा – यही हमारा नारा है." आपने शिक्षण प्रणाली को बेहतर बनाने की अवधारणा को प्रस्तुत करते हुए कहा कि "गतिविधि आधारित शिक्षण की आज बड़ी मांग है. शिक्षा राष्ट्रीय एजेंडा है व इस पर सबको मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है."

मूल्यवर्धन शिक्षा एवं जैन समाज की 2500 से अधिक संस्थाओं की गुणवत्ता पर कार्यरत भारतीय जैन संघटना का श्री जावडेकर ने स्वागत किया व घोषणा की कि "भारतीय जैन संघटना व उनके जैसे शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत गैर सरकारी संगठनों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की निर्धारण प्रक्रिया में सम्मिलित किया जाएगा"

इस अवसर पर दो फिल्मों के प्रदर्शन से भारतीय जैन संघटना व शांतीलाल मुथ्था फाउंडेशन द्वारा विद्यालयों की गुणवत्ता व मूल्यवर्धन पर गत दस वर्षों में किए गए कार्यों से अतिथियों व सभासदों को अवगत कराया गया. अध्यक्षीय सम्बोधन में श्री शांतीलाल मुथ्था ने बतलाया कि महाराष्ट्र सरकार ने मूल्यवर्धन पाठ्यक्रम को सरकारी कार्यक्रम के रूप में अपनाया तथा राज्य के 34 जिले के 34 क्लस्टर में 10 माह से सुचारू रूप से चल रहा है. उन्होंने मूल्यवर्धन को देश के सभी राज्यों के समस्त विद्यालयों में लेकर जाने के संकल्प को दोहराया. इस अवसर पर फेडरेशन ऑफ जैन एज्यूकेशनल इंस्टिट्यूट्स् के नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वल्लभ भंसाली, मुंबई का सम्मान श्री जावडेकर के करकमलों से हुआ.

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्‌ घाटन सत्र अध्यक्ष श्री शांतीलाल मुथ्था, प्रमुख अतिथि श्री सुरेश दादा जैन, पूर्व मंत्री, महाराष्ट्र राज्य एवं श्री नरेंद्र बलडोटा, पूर्व अध्यक्ष-J I T O की उपस्थिति में मुख्य अतिथि श्री प्रकाश जावडेकर ने भारतीय जैन संघटना के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया. बीजेएस तमिलनाडू के अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद आंचलिया ने सभासदों का शाब्दिक स्वागत किया व संस्था का परिचय श्री प्रफुल्ल पारख, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिया. इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य सर्वश्री कैलाशमल दुगड, राजेंद्र लुन्कर, गौतम वैद, ज्ञानचंद आंचलिया, राजेंद्र दुगड़ व महावीर परमार भी मंच पर उपस्थित थे.

भार
राष्ट्रीय अधिवेश

फेडरेशन ऑफ जैन एज्यूकेशनल इंस्टिट्यूट (FJEI) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नवनियुक्त श्री. वल्लभ भंसाली, मुंबई का सम्मान करते हुए मा श्री प्रकाश जावडेकर,मंत्री, मानव संसाधन विकास, भारत सरकार, अतिथियों एवं BJS पदाधिकारियों के साथ

कार्यक्रम **“अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जैन समाज”** में मंच पर उपस्थित (बांये

राष्ट्रीय अधिवेशन -समापन समारोह

पानी फाउंडेशन -बीजेएस का 'अकाल मुक्त मह
अभियान की जानकारी देते हुए श्री मुथ्था

तीय जैन संघटना -
न 2016-चेन्नई की झलकियाँ

से दांये)-संजय जैन-दुबई, पंकज संघवी (अध्यक्ष-JSG), सुशील जैन (पूर्व अध्यक्ष-JAINA, वाशिंगटन), नरेन्द्र जैन-दुबई एवं शुगनचंद जैन-नईदिल्ली.

राष्ट्र'

"बदलते समय में समाज विकास के लिए टेक्नालाजी का महत्व" एवं भारतीय जैन संघटना के "मोबाइल ॲप का लोकार्पण" में मंचासीन रमेश मुथ्था (मैनेजिंग डायरेक्टर-मोहन मुथ्था एक्सपोर्ट प्रा.लि.), प्रेमजी जैन (उपाध्यक्ष-CISCO Ltd.,San Francisco) एवं अरुण जैन (चेयरमेन-Design Intellect), BJS टीम के साथ.

फेडरेशन ऑफ जैन एज्यूकेशनल इंस्टिटयूटस् के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव

श्री वल्लभ भंसाली, मुंबई – नव अध्यक्ष - फेडरेशन ऑफ जैन एज्यूकेशनल इंस्टिटयूटस्

"नव-तकनीकी के साथ तालमेल बैठा कर चलना, आम व्यक्ति के लिए निश्चित ही कठिनाईयों भरी राह पर कदम रखने के समान है". आपने धार्मिक सिद्धांतों के महत्व की चर्चा की व कहा कि "दैनिक जीवन में उनके आचरण से ही समाज के प्रति जवाबदेही की भावना जागृत होती है. जाति, धर्म, लिंग आदि की भावना से ऊपर उठकर समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा धार्मिक मूल्यों के प्रति सजगता से ही प्राप्त होती है".

श्री नरेंद्र बलदौटा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, JITO

"जैन धर्म मात्र धर्म नहीं अपितु जीवन शैली है, जिसे ठीक से समझने की आवश्यकता पर आपने बल दिया. आधुनिक समय में समाज में सूचक परिवर्तन तीव्र गति से हो रहे हैं. गाँवों से युवाओं का शहरों की और पलायन तथा युवतियों का प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी स्पर्धा ने समाज का चित्र ही बदल डाला है. हमें इन परिवर्तनों को स्वीकारने की मानसिक व वैचारिक तैयारी दर्शानी ही होगी. तकनीकी के साथ तालमेल व सामंजस्य ही अब समुचित व्यक्तिगत विकास संभव होगा".

श्री चेनराज जैन, (Chairman JGI Group)

"शिक्षा ही वह नींव है जिससे नई संभावनाओं एवं अवसरों की खोज हेतु मानव सक्षम बनता है. जैन समाज ने शिक्षा प्रणाली के अनुरूप अनेक श्रेष्ठ शिक्षण संस्थान देश को दिये हैं जो जैन समाज के लिए गर्व का विषय होना चाहिए". आपने भारतीय जैन संघटना द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिये जा रहे विशिष्ट योगदान की चर्चा की.

श्री अभय श्रीश्रीमाल, Chairman, Lifecell

"तकनीकी की अपेक्षा विकास पर अधिक ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है. उच्च शिक्षितों की फौज खड़ी करने से बेहतर है कि चरित्र व संवेदनशील मानव का निर्माण हो. आपने कहा कि शिक्षा को समाज के समग्र विकास हेतु महत्तम प्रयोग की आवश्यकता है".

सत्र : अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच पर जैन समुदाय

वैचारिक अभिव्यक्ति एवं विचार-विमर्श हेतु इस सत्र में जैन समाज की जानी मानी हस्तियों में डा. सुशील जैन- वाशिंगटन, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष JAINA, USA, श्री नरेंद्र जैन-दुबई, श्री संजय जैन-दुबई, श्री पंकज संघवी, अध्यक्ष-JSG इंटरनेशनल फेडरेशन, डा. शुगन जैन, चेयरमैन-इंटरनेशनल स्कूल फॉर जैन स्टडीज, नई दिल्ली ने भाग लिया. सत्र संचालन श्री प्रफुल्ल पारख ने किया. सभी विशेषज्ञों ने एक साथ मिलकर कार्य करने का संकल्प प्रदर्शित किया. श्री नरेंद्र जैन-दुबई ने भारतीय जैन संघटना के दुबई में चेप्टर प्रारम्भ करने की घोषणा की.

बदलते समय में समाज विकास के लिये तकनीकी का महत्व

श्री प्रेम जैन, भूतपूर्व अध्यक्ष – JAINA, USA

"तकनीकी हमारे जीवन का आवश्यक अंग बन चुकी है. मानव जीवन तकनीकी विकास एवं परिवर्तनों से प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावित हो रहा है. 20वीं एवं 21 वीं शताब्दी के जीवन यापन में बड़ा अंतर हम स्पष्ट रूप से देख रहे हैं". आपने आधुनिक तकनीकी व मानव जीवन पर उसके प्रभाव विषय पर व्यक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमें सुनिश्चित करना होगा कि हम तकनीकी के दास न बन जाएँ.

श्री अरुण जैन, Chairman, Design Intellect

"आधुनिक समय मे जैन दर्शन व्यावहारिक अभिगमों से सुसज्ज प्रतीत होता है. आधुनिक तकनीकी को जैन दर्शन के संदर्भों में दृष्टिपात से ही आदर्श जीवन की संकल्पना संभव है. विश्वविद्यालय अब अनेक नये पाठ्यक्रम विविध विषयों में लाये हैं जो सीखने व समय के साथ चलने हेतु सहायक हो रहे हैं. ज्ञान व कौशल्य से स्वयं को सुसज्ज करना ही परिवर्तनशील समय की मांग है".

बीजेएस मोबाईल एप का लोकार्पण

इस अवसर पर बीजेएस मोबाईल एप का लोकार्पण किया गया. **श्री निशांत बम्ब,** Director Nanostuff Technologies ने इस एप की विशेषताओं से सभासदों को अवगत कराया.

श्री प्रकाश छाबड़ा, Industrialist

"आज तेजी से बदलाव के समय में टेक्नोलॉजी का हमारे जीवन में भरपूर एवं महत्वपूर्ण योगदान है, इसके बावजूद हमारे जीवन में आध्यात्मिकता का समावेश जरुरी है". इस बात को महत्व देते हुए श्री छाबड़ा ने सभासदों से ध्यान मुद्रा का अदभूत प्रयोग करवाया. उन्होंने इसे जीवन का बड़ा अनुभव बताया.

सत्र : आगामी तीन वर्षों में 3000 गावों को अकाल मुक्त करना

बीजेएस की इस मानवीयता सभर परियोजना को सभासदों का श्रेष्ठ प्रतिसाद प्राप्त हुआ. श्री शांतीलाल मुथ्था ने सुप्रसिद्ध श्री आमीर खान की संस्था 'पानी फाउंडेशन' व बीजेएस का संयुक्त रूप से महाराष्ट्र के 3000 गाँवों को अकाल मुक्त करने की परियोजना का विवरण प्रस्तुत किया गया.
आपने देश भर के कार्यकर्ताओं को आगे आने का आह्वान किया कि जो उनके क्षेत्रों को अकाल मुक्त कराने हेतु ईमानदारी से कार्य करना चाहते हैं.

श्री गिरिशभाई शाह, अध्यक्ष, समस्त महाजन

आपने सूखा राहत मे अब तक किए गए कार्यों के सकारात्मक परिणामों पर चर्चा की. आपने कहा कि "सूखा व राहत प्रबंधन में वृहद स्तर पर कार्य करने वाले श्री मुथ्थाजी का यह कहना कि उन्होंने इस कार्य के लिए मुझसे प्रेरणा ली व इसकी सफलता का श्रेय मुझे देते हैं यह उनका बड़प्पन है".

सत्र : जैन समाज में वैवाहिक रिश्ते तय करने की पारंपरिक प्रक्रिया में क्रान्तिकारी बदलाव

श्री शांतीलाल मुथ्था, संस्थापक, BJS

विवाह योग्य प्रत्याशियों की परस्पर वैचारिक अनुकूलताओं में ही सुखी वैवाहिक जीवन का मर्म छिपा है. इस महत्वपूर्ण सत्र में बीजेएस के संस्थापक श्री शांतीलाल मुथ्था ने वैवाहिक रिश्तें तय करने की पारंपरिक प्रक्रिया में पहल करने संबंधी कार्यवाही को बेटे-बेटियों पर छोड़ने का आग्रह अभिभावकों से किया. श्री मुथ्था ने इस विषय मे सभासदों के प्रश्नों के उत्तर व स्पष्टीकरण दिये.

आगामी दो वर्षों मे 2 लाख जैन परिवारों का विकास

श्री देवेन्द्र सुराणा, निदेशक, सुराणा ग्रुप

"व्यावसायिक सफलताओं हेतु अनेक नए विकल्प उपलब्ध हैं. किसी भी व्यवसाय के मूल तत्वों में उत्पाद, ग्राहक एवं सेवाएं प्रमुख हैं. तकनीकी की मदद से ग्राहक को हम क्या नवीन व बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकते हैं ? ग्राहक को जितना अधिक हम नवीन सेवाओं से संतुष्ट करेंगे, उतनी ही व्यवसाय के विकास की संभावनाएं बढ़ेंगी".

श्रीमती सरिता जैन, अध्यक्ष, अखिल भारतीय दिगंबर तीर्थ रक्षा समिति

धार्मिक व्यक्तित्व की धनी श्रीमती सरिता जैन ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए समाज को प्रेरित करने का व्यक्तव्य देते हुए कहा कि "समय के बदलाव के साथ समाज को आगे ले जाने में महिलाओं की भूमिका अग्रणी हो सकती है. समाज को भ्रूण हत्या जैसी समस्या से निपटने के कारगार कदम उठाना चाहिए".

बीजेएस महासचिव श्री राजेंद्र लुंकड़ ने आगामी 2 वर्षों मे 2 लाख जैन परिवारों को संस्था के विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं से लाभान्वित कर समुचित विकास सुनिश्चित करने के लक्ष्यों से सभासदों को अवगत कराया.

- युवती सक्षमीकरण 50000 जैन किशोरियों का 1000 कार्यशालाओं के माध्यम से 11 राज्यों में 100 से अधिक प्रशिक्षकों के माध्यम से
- 45000 व्यापारी बंधुओं हेतु 200 व्यवसाय विकास कार्यशालाओं के माध्यम से
- अल्पसंख्यक लाभों की जानकारी 1 लाख व्यक्तियों को 50 प्रशिक्षकों 300 कार्यशालाओं के माध्यम से
- 25 परिचय सम्मेलनों का आयोजन 5000 विवाह योग्य प्रत्याशियों हेतु.

: कार्यक्रम में उपस्थित मान्यवर :

श्री सुदीप जैन, IAS

श्री राजेश जैन, Chairman EMCO

श्री राजेंद्र भुरट, Industrialist

श्री एम् के जैन, कार्याध्यक्ष, भारतवर्षीय दिगंबर जैन श्रुत संवर्धिनी महासभा

श्री पन्नालाल सिंघवी, अध्यक्ष, जैन महासंघ

श्री सम्पतराज रांका, राष्ट्रीय महासचिव, अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन संघ

श्री प्रदीप जैन, CMD, PNC Infratech Ltd.

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति वर्ष-2016 – 2018

राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री प्रफुल्ल पारख, पुणे, महाराष्ट्र

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री सुरेशभाई कोठारी, अहमदाबाद, गुजरात

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री सुदर्शन जैन, अमरावती, महाराष्ट्र

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री वीरेन्द्र जैन, इंदौर, मध्यप्रदेश

राष्ट्रीय महासचिव श्री राजेन्द्र लुंकर, इरोड, तमिलनाडू

राष्ट्रीय सचिव श्री संजय सिंघी, रायपुर, छत्तीसगढ़

राष्ट्रीय सचिव श्री गौतम बाफना, हुबली, कर्नाटक

: सदस्य :

श्री राकेश जैन, इंदौर, मध्यप्रदेश
श्री निरंजन जुवा, अहमदाबाद, गुजरात
श्री अनिल रांका, इंदौर, मध्यप्रदेश
श्री रजनीश जैन, नागपुर, महाराष्ट्र
श्री हस्तीमल बम्ब, जालना, महाराष्ट्र
श्री ओमप्रकाश लुनावत, बंगलौर, कर्नाटक
श्री नंदकिशोर सांखला, नाशिक, महाराष्ट्र
श्रीमती साशा जैन, उज्जैन, मध्यप्रदेश
श्री राजकुमार फत्तावत, उदयपुर, राजस्थान
श्रीमती मालतीबेन मेहता, अहमदाबाद, गुजरात
श्री ज्ञानचंद आंचलिया, सिरकाजी, तमिलनाडू
श्री पारस ओसवाल, कोल्हापुर, महाराष्ट्र
श्री निर्मल बरडिया, धमतरी, छत्तीसगढ़

: राज्याध्यक्ष :

महाराष्ट्र : श्री अमर गाँधी
मध्यप्रदेश: डा.शरद दोशी
छत्तीसगढ़: श्री प्रमोद लुनावत
कर्नाटक : श्री दिनेश पालरेचा
तमिलनाडू: श्री राजेंद्र दुग्गड
आँध्रप्रदेश: श्री नवरत्नमल गुंदेचा
हरियाणा : श्री संजय जैन
उत्तरप्रदेश: श्री मनोज जैन
राजस्थान: श्री सम्प्रति सिंघवी
गुजरात : श्रीमती भैरवी जैन

Re-Marriage parichay sammelan Sunday, 11 December 2016
कार्यक्रम स्थल : महावीर प्रतिष्ठान, , पुणे - आवेदन हेतु अंतिम तिथि: 7 दिसम्बर 2016 -
संपर्क: राजेंद्र सुराणा-93710 23161

उच्चशिक्षित जैन युवक-युवती परिचय सम्मेलन Saturday, 24 December 2016
कार्यक्रम स्थल :'ओ' होटल , कोरेगाव पार्क , पुणे - आवेदन हेतु अंतिम तिथि:20 दिसम्बर 2016 -
संपर्क: शशिकांत मुनोत -94204 77052

ऑनलाईन आवेदन: www.bjsmm.bjsapps.com

MANDEEP®
MARBLE
...Where colors come naturally !

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

IMPORTED & INDIAN MARBLE, GRANITE AND CERAMICS FOR PROJECTS HOUSES, OFFICES

TAMILNADU
MADURAI - 8220050234
TRIUNELVELI - 9791729354
KUMBAKONAM - 9344616234
THIRUCHIRAPPALLY - 9842416234
CHENNAI - 8220050234

KARNATAKA
MANGALURU - 9740041122
UDUPI - 9740026655

ANDHRA PRADESH
VISAKHAPATNAM - 9951005555

RAJASTHAN
KISHANGARH - 9929761000
JAIPUR - 9929961000

mandeepmarble@gmail.com | www.mandeepgroup.com

H.O. : 1-A, TPK Road, Pasumalai, Madurai, Tamilnadu

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 7th of Every Month
Posted at Market Yard PSO, Pune On- 10th of Every Month

If undelivered Please Return To

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411016
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600